Report of the work done

Amarkanth ki kahaniyom mein yugeen parivesh

लेखन मेरे लिए मिशन और जुनून है

मेरा लक्ष्य साहित्य को जगाना था, पैसा कमाना नहीं।

नई कहानी के आदि शिल्पी अमरकान्त उन चुनिन्दा कहानीकारों में एक है जिनके पास एक साथ एक से बढ़कर एक नई बेहतरीन कहानियाँ है । उन्होंने अपने युग और परिवेश से बेहद प्रभावित होकर 65 वर्षों की कठोर साधना के पश्चात्य हिन्दी कहानीकार के रूप में विशेष उपलब्धि प्राप्त की। नि:संदेह महान साहित्यकार युग की उपज होता है अतः युगीन परिवेश पर प्रकाश डालना आवश्यक होता है।

समाज मनुष्य का परिवेश है, जिसमें वह अपना जीवन व्यतीत करता है। परिवेश से अलग होकर मनुष्य का समाज में कोई महत्व नहीं होता क्योंकि यही परिवेश हमारे जीवन का वाहक एवं साधन है। जब व्यक्ति परिवेश के प्रति गहराई से जुडता है तब वह लेखक बन जाता है।

महान साहित्यकार युग का उपज होता है। अमरकांत ने अपने युग तथा परिवेश से बेहद प्रभावित होकर तथा कठोर साधना में लीन होते हुए साहित्य को जो कुछ दिया उसी से उन्हें विशेष उपलब्धि प्राप्त हुई । जिस कालखंड में अमरकांत ने कथा साहित्य में पर्दापण किया वह सिर्फ सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक विचारों से ही भरा न था अपितु साहित्य भी बडे व्यामोह से ग्रस्त था । अमरकांत को पढ़कर और समझ कर हम आसानी से कह सकते हैं कि किसी बाहरी प्रेरणा ने उन्हें कथाकार नहीं बनाया बल्कि उनके भीतर का संवेदनशील इंसान ने ही उन्हें कथाकार बनाया इसी कारण अनुभूति, अभिव्यक्ति उनकी कहानियों की ताकत बनी और अपनी रचनाओं में आम आदमी के प्रति सहानुभूति प्रकट कर सके । उनकी कहानियों से यह समझा जा सकता है कि कैसे समाज को गति देने वाली आवाजों को कहानी कल बनाया जा सकता है और कैसे अपने समय की विडंबना वहीं से बांधा जा सकता है।

अपनी विभिन्न परिवेश के प्रति जागरुक होने के कारण उसे उन्होंने बखूबी पर रखा और अपने कहानियों द्वारा उसे उजागर भी किया। उनका अपना रचना संसार अपने समय का सच बताने वाला दस्तावेज कहा जा सकता है । उनकी कहानियों में परिवेश

का इतना सघन चित्रण मिलता है कि अभिव्यक्त परिवेश अपने रूप, रंग और गंध तक को बखूबी रख देता है । उनकी कहानियों के पात्र बड़े ही सजीव हैं। इन की कहानियों में जन जीवन की गतिविधियों का चित्रण देकर यह स्पष्ट हो जाता है कि वह जनता के अति निकट थे और उनके नस-नस को जानते पहचानते थे। इसी से वे साधारण से साधारण व्यक्ति के सुख-दुख की अभिव्यक्ति अपने-अपने कलम द्वारा कर सके। अमरकांत की कहानियों में परिवेश के विभिन्न पहलुओं का जीता जाता चित्रण, मिलता है। भारतीय जीवन में राजनीति अपना अमुक स्थान बनाए हुए हैं । अमरकांत की कहानियों को पढ़कर हम गत दो दशकों के देश के प्रवेश को बखूबी समझ सकते है ।